Railway Line between Badarpur—Lumding Hill Section

631 Shrimati Jyotsna Chanda: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether any development was made in the Badarpur-Lumding Hill Section line during the last winter;

(b) if so, the nature of improvement made; and

(c) if not, the reasons therefor?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) and (b). Efforts have been made during the last winter and are continuing to be made by the Northeast Frontier Railway Administration to carry out expeditiously such repair works as are considered necessary to minimise interruption of through communication on this section during the rainy seasons In addition to the works already in hand, long-term measures for bringing about a more stable rail link are under examination and when these are finalised, they will also be implemented as soon as possible thereafter.

(c) Does not arise.

आसाम प्रदेश में रेल दुर्घटना

632. **श्री स० चं० सामन्त :**
श्री प्र० कु० किस्कू :
श्री श० ना० माइती :
श्री त्रिदिब कुमार चौधरी :
श्री यशपाल सिंह :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन महीनों में आसाम प्रदेश में रेलगाड़ियां की कितनी दुर्घटनाएं हुई और उनके परिणामस्वरूप कुल कितनी हानि हुई ;

(ख) क्या सरकार ने उस प्रदेश में बार-बार दुर्घटनाएं होने के बारे में कोई जांच की है;

(ग) यदि हां, तो उसका निष्कर्ष निकला है; और

(घ) इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चें० मु० पुनाचा) : (क) फरवरी, मार्च और अप्रैल, 1967 में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अन्तर्गत पड़ने वाले असम क्षेत्र में गाड़ी के पटरी से उतरने की 23 घटनाएं हुई। इस अवधि में इस क्षेत्र में 'टक्कर' 'समपार पर दुर्घटनाएं' और 'गाड़ियों में आग लगने' की कोटि में आने वाली कोई दुर्घटना नहीं हुई। इन दुर्घटनाओं में रेल सम्पत्ति को लगभग 68,722 रुपये की क्षति का अनुमान है।

(ख) और (ग). सभी दुर्घटनाओं की जांच की जाती है और इस तरह की दुर्घटनाएं दुबारा न हों इसके लिए आवश्यक उपाय किये जाते हैं। दुर्घटनाओं के रुख और उनके कारणों की ओर लगातार ध्यान दिया जाता है और उनकी रोक-थाम के समुचित उपाय किये जाते हैं।

(घ) दुर्घटनाओं की रोक-थाम के लिए जो उपाय किये जाते हैं, उनमें बेहतर और संरक्षात्मक प्रशिक्षण रेल कर्मचारियों के काम का कठोर पर्यवेक्षण, और सरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी उपस्करों और युक्तियों की व्यवस्था करने के अलावा दुर्घटना करने वालों के विरुद्ध निवारक दण्डात्मक कार्रवाई करना शामिल है। इनके अलावा आसाम क्षेत्र में प्रायः होने वाली इस तरह की दुर्घटनाओं की रोक-थाम के लिए कुछ अन्य विशेष उपाय भी किए जाते हैं, जैसे पटरी पर गश्त लगाना, सर्चलाइट स्पेशल चलाना, जिन खण्डों पर घटनाओं की संभावना अधिक होती है वहां सवारी गाड़ियों को दिन के समय चलाना आदि।